कक्ष–6

पाठ – 2

बचपन

शब्दार्थ :–

1 सयाना – समझदार/बड़ा।

2 मितली – उल्टियाँ।

3 कमतर – कम अच्छा।

4 आश्वासन – भरोसा।

5 सुभीते – सुविधाजनक।

प्रश्नोत्तर :–

प्र.1 लेखिका बचपन में इतवार की सुबह क्या–क्या काम करती थी ?

उ0. लेखिका बचपन में इतवार की सुबह अपने मोजे धोती थी और जूते पॉलिश करके चमकाती थी।

प्र.2 'तुम्हें बताऊँगी कि हमारे समय और तुम्हारे समय में कितनी दूरी हो चुकी है। इस बात के लिए लेखिका क्या–क्या उदाहरण देती है ?

उ0. इस बात के लिए लेखिका अपने बचपन में और अब घरों में मिलने वाले सामान और खाने पीने की चीज़ों के अंतर के बारे में बताती है कि उन दिनों कुछ घरों में ग्रामोफोन थे। रेडियो और टेलीविजन नहीं थे। तब आइसक्रीम नहीं थी, कुलफ़ी मिलती थी। शहतूत और फ़ाल्से तथा खसखस के शरबत थे जो अब कोक और पेप्सी में बदल गए हैं। तब कोक नहीं, लेमनेड, विमटो मिलती थी।

प्र.3 लेखिका को चश्मा क्यों लगाना पड़ा ? चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई ने उन्हें क्या कहकर चिढ़ाते थे ?

उ0. आँखों में कमजोरी होने के कारण लेखिका को चश्मा लगाना पड़ा। चश्मा लगाने पर उनके चचेरे भाई ने उन्हें यह कहकर चिढ़ाते थे कि आँख पर चश्मा लगाया ताकि सूझे दूर की यह नहीं लड़की को मालूम सूरत बनी लंगूर की।

Scanned with CamScanner

प्र.4 लेखिका अपने बचपन में कौन–कौन–सी चीज़ें मज़ा ले–लेकर खाती थीं ? उनमे से प्रमुख फलों के नाम लिखो।

उ0. लेखिका अपने बचपन में चॉकलेट, चने जोर गरम, और अनार दाने का चूर्ण, चेस्टनट आदि चीज़ें मज़ा ले–लेकर खाती थी। उनमें से प्रमुख फल रसभरी और कसमल थे।

End of document ■

Scanned with CamScanner